O.C.W
21.6.21

Ch-3

हंस और कछुआ ~~और हंस~~

Date ___ Page ___

पाठ का सारांश

- मगाच देश में फुल्लोत्पल नामक तालाब में संकत्त और विकट नाम के दो हंस रहते थे उनका एक मित्र कछा तथा बहुत सारी मछलियाँ भी वहाँ रहती एक बार कुछ मछुआरों ने तालाब में मछलियों और कछुए को देखकर अगले दिन उन पकड़ने की बात कही। संकट और विकट ने यह बात मछलियों तथा कछुर को बता दी। कछा घबरा गया, उस हंसो से अपने बचाव के लिए कहा। कछुए को उड़ना नहीं आता था। हंसों ने एक ~~योजन~~ योजन बनाई कि वे एक डंडे के ~~सिरों~~ सिरों को अपनी-अपनी चोंच

मैं देखालेंगे और कछल कड़ी को मुंह
से बीच में पकड़ लेगा। जैसे ने उसे
बोलने के लिए मना किया था। जब वे
एक गाँव के ऊपर से उड़ रहे थे, तो
पतंग उड़ाते हुए बच्चों ने देखा। वे
उनके पीछे भागने लगे। कोई कहता कि
अगर कछुआ गिरेगा तो वे घर ले जाएगा।
~~कोई कहता कि अगर कछुआ कोई~~
कुछ कहता। कछुए से रहा न गया।
हमेशा सोच विचार कर के कार्य करना
चाहिए नहीं तो कछुए जैसा हाल होगा